इण्डियन महिला कॉलेज ऑफ एज्यूकेशन महाविद्यालय में छात्रवृति वितरण कार्यक्रम आयोजित

माई झुं. 19 मई। रीको कॉलोनी स्थित इण्डियन महिला कॉलेज ऑफ एज्यूकेशन बीएड महाविद्यालय में आयोजित छात्रवृति वितरण कार्यक्रम के अध्यक्ष अतिरिक्त जिला न्यायाधिश सुरेश कुमार शर्मा ने कहा कि छात्राध्यापिकाओं को छात्रवृति की इस राशि का उपयोग उच्च शिक्षा अध्ययन में करना चाहिए। छात्रवृति वितरण समारोह कार्यक्रम का अतिथियों द्वारा विद्या की देवी मां सरस्वती चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। शर्मा ने अपने सम्बोधन में कहा कि विद्यार्थियों को छात्रवृति राशि अपने उच्च अध्ययन में उपयोग करने के लिए ही उपलब्ध करवाई जाती है। विद्यार्थियों की भी जिम्मेदारी बनती है कि इस राशि का उपयोग ज्ञान बढ़ाने के लक्ष्य पर ही उपयोग करें। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट तनवीर चौधरी थे। विशिष्ट अतिथि उमाशंकर महमियां थे। महमियां ने अपने सम्बोधन में छात्राध्यापिकाओं को कहा कि शिक्षा का ज्ञान मानव जीवन की प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि बिना ज्ञान के मानव पशु के समान समझा जाता है। राष्ट्र को विकसित करने में महिलाएं महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। शिक्षित महिलाओं को आगे आगे आकर महिला शिक्षा को ही आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी ग्रहण करनी चाहिए। प्राचार्य मोहन सिंह ने बताया कि महाविद्यालय में अध्ययनरत छात्राध्यापिकाओं को **8,41,500** रूपये की छात्रवृति चैक वितरित किए गए हैं। कार्यक्रम शुभारंभ पर प्राचार्य सिंह ने अतिथियों को माला एंव साफे पहनाए वहीं छात्राध्यापिकाओं ने सरस्वती वंदना एवं स्वागत गान की प्रस्तुतियां दी। इस अवसर पर प्राध्यापक नवीन शर्मा, महेश शर्मा, रमेश कुमार, सुनिल कुमार, निलम नौटियाल, ख्यालिराम, हेमंत कुमार शर्मा एवं छात्राध्यापिकाएं उपस्थित थी। अंत में प्राचार्य मोहन सिंह ने सभी का आभार जताया। संचालन प्रवक्ता कृष्ण कुमार शर्मा ने किया।

गुलझारीलाल नांगलिया चै.ट्रस्ट द्वारा नि:शुल्क चिकित्सा शिविर

माई झुं.14 मई। गुलझारीलाल नांगलिया चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा 14 से 18 मई तक पाइपलाइन चकाला, काजूवाड़ी, अंधेरी पूर्व में चार दिवसीय मेडीकल जांच शिविर एवं नि:शुल्क दवाईयों का वितरण का आयोजन किया गया।

इस शिविर में करीबन 756 मरीजों ने चिकित्सा का लाभ उठाया जिसमें सर्दी, खासी, बुखार, गला, नाक, कान एवं अन्य चैकअप किया गया। नि:शुल्क शिविर का आयोजन ब्रह्माकुमारी अस्पताल एवं लार्सन एवं टयूब्रो के संयुक्त संयोजन में किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि मनोहर पांचाल, सुभाष कांता सावंत, डॉ. दिनेश बदानी, डॉ. प्रांजली जाधव, जोसफपाल, चन्द्रकांत दोषी, ओंकार चोधरी, राजेन्द्र मोरारका, श्रीमती शशि संजय कुकरेजा, श्रीमती सेन गुप्ता थे। सभी गतिथियों एवं रहिवासियों के सहयोग के लिए ट्रस्ट के मैनेजिंग ट्रस्टी राजेन्द्र नांगलिया ने आभार प्रकट किया।

गोशालाओं के लिए सात करोड रुपए मंजूर

माई झुं.न्यूज। भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड चेन्नई ने गोशालाओं को बेहतर सुविधायुक्त बनाने के लिए प्रदेश में सात करोड रूपए मंजूर किए गए है। इससे जिले की दो गोशाला लाभान्वित होगी। इनको करीब ३१ लाख रूपए दिए जाएंगे।

इस राशि से शेल्टर हाउस बनाए जाएंगे। बोर्ड ने जिले के बगड कस्बे की गौरीशंकर गोशाला व बडागांव की श्रीकृष्ण गोशाला का चयन किया है। भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड चेन्नई ने बडागांव की श्रीकृष्ण गोपाल गोशाला में शेल्टर हाउस निर्माण के लिए के लिए २१ लाख ९८ हजार रूपए स्वीकृत किए थे। इसमें से १० लाख ४९ हजार ८ ५० रूपए की प्रथम किश्त गोशाला को प्रदान कर दी है। इस गोशाला के लिए तीन लाख रूपए की डिस्पेंसरी भी स्थापित की जाएगी। इसमें चारदिवारी, नालियों का निर्माण, पानी की टंकी आदि की व्यवस्था भी भी होगी। इसी तरह बगड की गौरीशंकर गोशाला के लिए ११ लाख ७० हजार रूपए की राशि स्वीकृत की है। गो सेवा समिति को पांच लाख ८५ हजार रूपए की प्रथम किश्त मिल गई है। बोर्ड की ओर से गायों के लिए ठाण यानी शेल्टर हाउस निर्माण के लिए राशि मंजूर की गई है।

अन्तर्राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में देवांश व विरेन्द्र ने जीते स्वर्ण पदक

झुंझुनूं ,20 मई। अन्तर्राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में झुंझुनूं के देवांश व वीरेन्द्र ने स्वर्ण पदक जीतकर जिले का नाम विश्व भर में रौशन किया। जानकारी के अनुसार बांग्लादेश की राजधानी ढ़ाका में चले चार दिवसीय मार्शल आर्ट प्रशिक्षण शिविर के बाद इण्डोर स्टेडियम में आयोजित इण्डों-बांग्ला अन्तर्राष्ट्रीय कराटे प्रतियोगिता में भारतीय टीम ने हिस्सा लिया। भारत की और से इस प्रतियोगिता में चार खिलाड़ियों ने जोरदार पर्दशन करते हुए दौ स्वर्ण एवं दौ रजत पदक जीत कर देश का नाम चमकाया। जिला कराटे संघ के सचिव छोटूराम दहिया ने बताया कि देवांश पंवार, विरेन्द्र मीणा ने स्वर्ण तथा दीपक स्वामी व आशिष ढ़ाका ने रजत पदक पर अपना कब्जा किया। खिलाड़ियों के बुधवार को भाग लेकर झुंझुनूं लोटने पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर राजेन्द्र प्रसाद शर्मा एवं कराटे संघ पदाधिकारियों ने चारों खिलाड़ियों का स्वागत किया।

जसरापुर में पंडित सच्चिदानंद जोशी स्टेडियम का लोकार्पण समारोह

माई झुं.न्यूज। जसरापुर में पंडित सच्चिदानंद जोशी स्टेडियम के लोकार्पण समारोह में बोल रहे शिक्षामंत्री मास्टर भंवरलाल मेघवाल ने कहा कि हटाए गए विद्यार्थी मित्र एक जुलाई से संबंधित विद्यालयों में पुन: शिक्षण कार्य करेंगे।

उन्होंने कहा कि ३० जून तक विद्यालयों में शिक्षकों के समानीकरण का काम होगा तथा ३० जून से पहले किसी शिक्षक का स्थानानंतरण नही होगा। शीघ्र ही लोक सेवा आयोग के माध्यम से माध्यमिक एवं उ/ा माध्यमिक विद्यालयों में २० हजार सामान्य शिक्षकों व ढाई हजार शारीरिक शिक्षकों की भर्ती की जाएगी। राज्य में इसी सत्र में चार सौ विद्यालयों में विज्ञान संकाय खोले जाएंगे। ऊर्जा मंत्री डा. जितेन्द्रसिंह ने अपने संबोधन में कहा कि राज्य में इस साल चार विद्युत प्लांट लगने प्रस्तावित हैं। इनमें से तीन तैयार हो गए हैं।

सन् २०१२ तक राज्य सरकार की ६५० मेगावाट के चार सुपर थर्मल पावर प्लांट बननो की योजना है। डा.सिंह ने कहा कि दिसम्बर २००९ तक दिसम्बर २००४ तक के बकाया ८० हजार कनेक्शन दे दिए जाएंगे। अर्जुन पुरस्कार विजेता एवं भारतीय वालीबॉल टीम के पूर्व कप्तान सुरेश मिश्रा ने कहा कि आज फुटबॉल, वॉलीबॉल, बॉस्केटबॉल जैसे खेल ग्रामीण क्षेत्र में लुप्त हो गए हैं। इन खेलों को पुनर्जीवित करने की आवश्यकता है। इससे पूर्व शिक्षा मंत्री मास्टर भंवरलाल मेघवाल , ऊर्जा मंत्री डा.जितेन्द्र सिंह व सुरेश मिश्र ने स्टेडियम का लोकार्पण किया । समारोह को उर्जा मंत्री शिक्षा मंत्री तथा विधायक श्रवण कुमार, पर्यावरणविद चैनरूप दायमा, सालासर धाम के महावीर पूजारी, संयोजक श्री किशन जोशी, शीशराम गुर्जर, प्रमोद जोशी सहित अन्यजन ने भी सम्बोधित किया। समारोह का संचालन कुशलता के साथ वीर वीरांगना के राधेश्याम भारती ने किया। समारोह में एक से बढकर एक सुंदर प्रस्तुतियां लोक गायक मंजू शर्मा व करमपाल शर्मा ने दोपहर समारोह में चार चांद लगाये। श्री किशन जोशी जो कि मुम्बई प्रवासी है। पंडित सच्चिदानन्द जोशी के सपुत्र है के सहयोग से उक्त लोकार्पण हुए स्टेडियम का निर्माण हुआ है। समारोह में रामेश्वरलाल केजड़ीवाल, प्रमोद जोशी, विनोद जोशी, हरीष चौहान सहित अन्य जन ने अतिथियों का सम्मान किया।

बिजली, पानी व स्वास्थ्य सेवाओं के अधिकारियों को सतर्क किया

झुंझुनू, 19 मई: जिला कलेक्टर टी. रविकान्त ने जलदाय विभाग के अभियन्ताओं को जिले में पेयजलापूर्ति की पर्याप्त मात्रा के साथ पानी की गुणवत्ता का भी समुचित ध्यान रखने के निर्देश दिये है। वे सोमवार को यहां बिजली, पानी व स्वास्थ्य सेवाओं की साप्ताहिक समीक्षा बैठक ले रहे थे। इन सेवाओं के अधिकारियों को उन्होंने गर्मी के मौसम को देखते हुए निरन्तर सजग और सतर्क रहने के निर्देश दिये है।

इसी प्रकार जिला कलेक्टर ने विद्युत वितरण निगम को पेयजल स्रोतों के बकाया विद्युत कनेक्शन प्राथमिकता से जारी करने, विद्युत आपूर्ति में होने वाली ट्रिपिंग को रोकने की हिदायतें दी जबकि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को मौसमी बीमारियों के प्रति पूरी सजगता बरतने को कहा गया। जिला कलेक्टर ने इस बैठक में कृषि विभाग के अधिकारियों को 20 मई से पंचायत मुख्यालय स्तर पर आयोजित होने वाले शिविरों का सफलतापूर्वक संचालन करने तथा पशुपालन विभाग के अधिकारियों को जिले में पशु बीमारियों के प्रति पूरी सावधानी बरतने के निर्देश दिये।

जून माह के व्रतोत्सवों का स्मरण

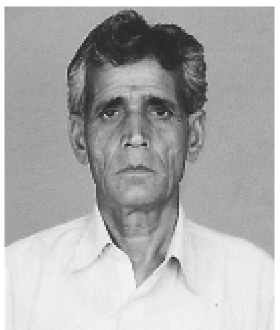

भारतीय ऋषि मुनियों एवं मीमासंको ने जीवन को पवित्र, बुद्धि को व्यवसायित्मिका तथा मन को निर्मल बनाने के लिये सदाचार व्रत का आत्मोन्नति मूलक एवं आनन्दवर्धक सन्मार्ग प्रशस्त किया है। जिस पर स्वधर्मानुसार चलकर मनुष्य अपने चरम लक्ष्य को प्राप्त कर लेता है। इसी प्रसंग में हमारे व्रत आते हैं जो आध्यात्मिक एवं स्वास्थ्य के लिये आवश्यक पथ्य है। जून माह के व्रतों की चर्चा करते हैं। जून माह ज्येष्ठ शुक्ला नवमी सोमवार से प्रारम्भ होकर आषाढ शुक्ला नवमी मंगलवार तक चलेगा। तत्पश्चात जुलाई माह की तीन तारीख से हरीशयनी एकादशी के साथ ही देवशयन काल में विवाह गृह प्रवेश व्रतबन्ध देवप्रतिष्ठादि कार्य स्थगित रहेगें। दो जून को गंगा दशहरा व्रत है।

1. इस दिन हस्त नक्षत्र में स्वर्ग से गंगा का आगमन हुआ था। अतएव इस दिन गंगा आदि का स्नान, अन्न वस्त्रादि का दान जप तप उपासना और उपवास किया जाय तो दस प्रकार के पाप- तीन प्रकार के कायिक चार प्रकार के वाचिक और तीन प्रकार के मानसिक दूर होते हैं। यदि इस दिन 1 ज्येष्ठ 2 शुक्ल 3 दशमी 4 बुध 5 हस्त 6 व्यतीपात 7 गर 8 आनन्द 8 वृषस्थ सूर्य 10 कन्या का चन्द्र हो तो यह अपूर्व योग महाफलदायक होता है। इस वर्ष गंगा दशहरा के अवसर पर व्यतीपात दोपहर दो बजे से प्रारम्भ हो रहा है अत: दान पुण्यादि का समय अपरान्ह में रहेगा। इस दिन दस प्रकार के स्नान करके शिवलिंग का दस संख्या में गंध, पुष्प धूप दीप नैवेद्य और फल आदि से पूजन कर रात्रि को जागरण करे तो अनन्त फल होता है। साथ ही गंगा पूजन का भी फल है।

2. निर्जलैकादशी व्रत- महाभारत में इसका उल्लेख आया है इसका नाम निर्जला एकादशी है अत: नाम के अनुसार इसका व्रत किया जाय तो स्वर्गादि के सिवा आयु और आरोग्य वृद्धि के तत्व विशेष रूप से विकसित होते हैं। व्यासजी के कथनानुसार यह अवश्य सत्य है कि अधिमास सहित एक वर्ष की पच्चीस एकादशी न की जा सके तो केवल निर्जला एकादशी करने से ही पूरा फल मिल जाता है। एक बार बहुभोगी भीमसेन को व्यासजी ने इस एकादशी के करने से समस्त एकादशियों के फल की प्राप्ति होने की बात बतायी जिससे भीमसेन ने इस एकादशी का उपवास निर्जल रह कर किया। अत: इसका नाम भीमसेनी एकादशी भी है। मात्र इस एक एकादशी व्रत में निर्जल उपवास से वर्ष भर की एकादशियोंके व्रत करने का फल प्राप्त हो जाता है। इसी एकादशी को जलधेनुदान का भी महत्व है। एकादशी को यथासामर्थ्य सोना चांदी या ताम्बे के गौ की आकृति के कलश में अन्न जल सोना चांदी ओर तांबा रखकर उसे दो सफेद वस्त्रों से ढकें। उसके उपर दूर्वाकुंर लगाए। सर्वौषधि सहित छाता जूतों और कुशासन रखकर सामने घी दही चीनी रखकर जलाधिदेव वासुदेव भगवान का पूजन करें। फिर उसमें देने योग्य द्रव्यादि दान करके उपवास करें।

3. श्री जगन्नाथ भगवान की रथ यात्रा यह रथ यात्रा आषाढ शुक्ला द्वितीय दिनांक 24 जून बुधवार को है। भगवान श्री जगन्नाथ जी की द्वादश यात्राओं में गुण्डिचा यात्रा मुख्य है। इसी गुण्डिचा मंदिर में विश्वकर्मा ने भगवान जगन्नाथ जी बलभद्र जी एवं सुभद्राजी की दारूप्रतिमाएं बनायी थी। महाराज इन्द्रधनुष ने इन्हीं मूर्तियों को प्रतिष्ठित किया। अत: गुण्डिचा मंदिर को ब्रह्मलोक या जनकपुरी भी कहते हैं। गुण्डिचा मंदिर में यात्रा के समय श्री जगन्नाथजी विराजमान रहते हैं। उस समय जो महोत्सव होता है वह गुण्डिचा महोत्सव कहलाता है। यह उत्सव उड़ीसा में जगन्नाथपुरी में होता है। घरों में गृहस्थ भी भगवान की यात्रा अपने पास के बगीचे, लॉन आंगन आदि में करा कर पुण्यार्जन कर सकते हैं। ये यात्रा सामूहिक मोहल्ले वाइज भी कर कर गणपति महोत्सव के अनुसार मना सकते हैं जिससे धार्मिक प्रचार हो सके। इस प्रकार भी भगवान की रथ यात्रा के दर्शन श्रवण कीर्तन मात्र से मनुष्य वैकुंठ धाम में जाता है। आषाढ शुक्ला सप्तमी विवस्वत सप्तमी है जो 28 जून रविवार को आएगी इसमें भगवान सूर्य देव की गंध पुष्पादि से पूजन अर्घ्य व्रत करने का विधान है। इस प्रकार से जून माह में व्रतोत्सवों का सार पूर्ण हुआ।

पंडित महावीर प्रसाद पारीक
एम ए संस्कृत बीदासर 9460513758

प्रधान गायत्री देवी पूनिया ने पदभार ग्रहण किया

माई झुं.न्यूज। चिडावा पंचायत समिति की नव मनोनीत प्रधान गायत्री देवी पूनिया ने गुरूवार को पदभार ग्रहण किया। पंचायत समिति कार्यालय में हुए सादे समारोह में उपखण्ड अधिकारी नारायण सिंह शेषमा ने प्रधान पूनिया को कार्यभार सौंपा। नवमनोनीत प्रधान पूनिया ने पदभार ग्रहण करने के बाद कहा कि पंचायत समिति क्षेत्र में विकास को गति मिलेगी तथा बिना किसी भेदभाव के विकास कार्य करवाए जाएंगे।

उन्होंने सांसद शीशराम ओला व विधायक श्रवण कुमार के मार्गदर्शन में कार्य करने की बात कही। उल्लेखनीय है कि शासन उपसचिव विधि ने आदेश जारी कर प्रधान इन्द्रा डूडी के स्थान पर पंचायत समिति सदस्य गायत्री देवी पूनिया को विधिवत रूप से चुनाव करवाए जाने तक या आगामी आदेश तक मनोनीत किया।

योग एक परिचय- आचार्य हरिसिंह रोहिल्ला

योग क्या है? इसकी व्याख्या हमारे योगाचार्यो ने हर युग में अलग अलग की है फिर भी सभी का सारतत्व एक ही है परम लक्ष्य की प्राप्ति। लेकिन योग देश, काल, परिस्थित वातावरण व साधक के अनुसार भी बदल जाता है। योग एक अलंकार(आभूषण) हैं जो भी धारण करता है वह उसकी गुणवत्ता को ओर अधिक बढा देता है। योग श्रेष्ठता ला देता है। आप चाहे जो भी है अगर योग को अपनाते हैं तो आपमें निश्चित ही श्रेष्ठता आती है। आप जो भी है नेता, अभिनेता, गृहणी, अध्यापक, वकील, क्लर्क, खिलाड़ी, विद्यार्थी। बस योग से जुड़िये और आप जो भी है श्रेष्ठ होंगे। योग एक जीवन जीने की कला है और वह सबके लिए जरूरी है। ये निर्बल में सबल होने की विद्या है। दुनियां में एक योग ही ऐसी चीज है जो आपको चारों पुरूषार्थ दे सकता है। योग की प्राचीनकाल में आचार्यों ने अलग अलग परिभाषा दी हैं।

योगाश्चितवृत्ति निरोध:- पंतजलि योग दर्शन के अनुसार चित्त की दो वृत्तियां होती हैं अच्छी और बुरी दोनें वृत्तियों पर नियंत्रण रखना ही योग है।

योग:मन: प्रशमनोपाय: इत्यभिधीयते। - (योग वशिष्ठ) अर्थात मन को प्रशमित (प्रशन्न) करने की विद्या का नाम ही योग है।

योग : कर्मसु कौशलम्- (भगवतगीता)

कर्मों में कुशलता, कुशलता पूर्वक कार्य करने की क्षमता का नाम ही योग है। तं विधाद दु:ख संयोग वियोग योग संज्ञितम् (भगवतगीता) वह विद्या योग कहलाती है जो दुख से दूर कर देती है या दु:ख में भी सुख का अनुभव हीयोग है या दु:ख में भी सुख का अनुभव ही योग है। योग समाधि: समाधि की अवस्था ही योग है। क्रमिक विकास का नाम ही योग(स्वामी विवेकानन्द) जो विद्या हमारा क्रमिक विकास कर दे वही योग है। साधारण मानव से श्रेष्ठ मान, महामानव, देव, पितृ, ब्रह्म एवं परब्रह्म। स्वर्णिम व्यक्तित्व का विकास ही योग है। (महर्षि योगी अरविन्द)

शारीरिक, मानसिक, बोद्धिक, भावनात्मक एवं आध्यात्मिक सर्वांगीण विकास करदे वहीं विद्या योग है। यह अत्याधुनिक परिभाषा है। लेकिन इन सबका जिस विद्या से विकास हो वह अष्टांग योग

1. यम - अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य, अपरिग्रह, ये पाचं यम हैं जो समाज व दूसरों के लिए पालन किये जाते हैं जिसके अपने द्वारा किसी दूसरे की व्यवस्था ना बिगड़े व समाज को हानि नहीं हो ये योग का पहला विषय है। 2. नियम- शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय, ईश्वर प्राधिधान ये पांच नियम साधक केस्वयं के स्वस्थ रहने के लिए नियम है। इसी प्रकार 3. आसन 4. प्राणायाम 5. प्रत्याहार 6. धारण 7. ध्यान 8. समाधि। ये योग के आठ अंग है जो उपरोक्त परिभाषाओं को परिपूर्ण करते हैं ।

आचार्य हरीसिंह रोहिल्ला
अग्रसेन भवन मो- 9828486899

भारत भ्रमण कर रहा साईकिल दल झुंझुनू पहुंचा

झुंझुनू, 4 मई: साईकिल पर भारत भ्रमण कर रहे युवा रंगकर्मी रणजीत बच्चन उर्फ मगन गोरखपुरी अपनी सह यात्री कालिन्दी शर्मा के साथ रविवार को झुंझुनू पहुंचे। वे युवाओं में राष्ट्रीय एकता और शान्ति एवं सद्भाव की भावना प्रबल करने के उद्देश्य से भारत भ्रमण कर रहे हैं।

यह यात्रा उन्होंने 4 फरवरी 2002 को गोरखपुर (उ.प्र.) से प्रारम्भ की थी और अब तक देश के 28 राज्यों व 7 केन्द्र शासित प्रदेशों के 590 जिलों का प्रवास कर लगभग सवा लाख किलोमीटर की साईकिल यात्रा पूरी कर चुके हैं। इन दोनों ने सोमवार को यहां जिला कलेक्टर टी. रविकान्त से मुलाकत की और अपनी साईकिल यात्रा के संस्मरणों तथा यात्रा के उद्देश्यों से जिला कलेक्टर को अवगत कराया। साईकिल यात्री रणजीत बच्चन ने बताया कि झुंझुनू से वे सीकर, जयपुर व हरियाणा होते हुए दिल्ली पहुंचेंगे और वहां राष्ट्रपति श्रीमती प्रतिभा देवी सिंह पाटील से भेंट करेंगे। उन्होंने बताया कि यात्रा के दौरान वे प्रतिदिन औसतन 50 से 60 किलोमीटर तक का सफर तय कर लेते है। उनकी यात्रा का यह प्रथम चरण आगामी मार्च में पूरा होगा।

माई झुंझुनूं डॉट कॉम समाचार पत्र नेट पर देखें

www.myjhunjhunu.com/newspaper

1. मासिक समाचार पत्र का रंगीन संस्करण नेट पर उपलब्ध है।
2. आप अब तक के 18 तथा चालू माह सहित 19 अंक नेट पर देख सकते हैं।
3. मुद्रित समाचार पत्र के आपके पास पहुंचने से पहले ही वैब पर उपलब्धता
4. वांछित अंक को आप Save करके बाद में भी देख सकते हैं।

THINK JHUNJHUNU THINK MY JHUNJHUNU